क्षेत्र शिक्षाधिकारि एवं क्षेत्र संसाधन केंद्र बल्लारि पूर्व वलय
तथा
कर्नाटक राज्य हाईस्कूल हिंदी शिक्षक संघ [रि] बेंगलूरु.
तहसील – बल्लारि पूर्व वलय के सहयोग में

सफलता का संसाधन

(2019-20 के दसवीं कक्षा के छात्रों की वार्षिक परीक्षा तयारी तथा सफलता के लिए प्रस्तुत)

-: संसाधक :-

अब्दुल कलाम के सरकारी हाईस्कूल हिरेहड्लिगि बल्लारि पूर्व तालुक *9845400842*

महबूब बाषा एं सरकारि हाईस्कूल एस आर कॉलोनी बल्लारि पूर्व तालुक *9739458747*

प्रेरणार्थक क्रिया

क्रिया	प्रथम प्रे.क्रिया	द्वितीय प्रे.क्रिया		क्रिया	प्रथम प्रे.क्रिया	द्वितीय प्रे.क्रिया
लिखना	लिखाना	लिखवाना		सोना	सुलाना	सुलवाना
पढ़ना	पढ़ाना	पढ़वाना		सीखना	सिखाना	सिखवाना
चढ़ना	चढ़ाना	चढ़वाना		उडना	उडाना	उडवाना
चलना	चलाना	चलवाना		खिलना	खिलाना	खिलवाना
देखना	दिखाना	दिखवाना		करना	कराना	करवाना
सुनना	सुनाना	सुनवाना		जगना	जगाना	जगवाना
देना	दिलाना	दिलवाना		मिलना	मिलाना	मिलवाना

विलोम शब्द

अच्छा × बुरा	सुंदर × कुरूप	औपचारिक × अनौपचारिक	सहयोग× असहयोग
अपना × पराया	उचित × अनुचित	आवश्यक × अनावश्यक	दया × निर्दया
होश × बेहोश	अमीर × गरीब	उपयुक्त × अनुपयुक्त	सगुण × निर्गुण
हार×जीत	वरदान × अभिषाप	स्वदेश × विदेश	ईमान × बेईमान
बडा × छोटा	मुमकिन × नामुमकिन	विश्वास × अविश्वास	प्राचीन × नवीन
सफल × असफल	आगे × पीछे	स्थिर × अस्थिर	सज्जन × दुर्जन
सजीव × निर्जीव	उत्तीर्ण × अनुत्तीर्ण	रात × दिन	आयात × निर्यात
आय × व्यय	खरीदना × बेचना	भीतर × बाहर	प्रिय × अप्रिय

संधि

दीर्घ संधि	**गुण संधि**	**वृध्दि संधि**	**यण संधि**	**अयादि संधि**	**व्यंजन संधि**
समानाधिकार	महेंद्र	एकैक	इत्यादि	नयन	दिग्गज
महींद्र	महोत्सव	सदैव	स्वागत	चयन	वाग्जल
विद्यालय	महर्षि	वनौषध	पित्रुपदेश	गायक	अजंत
लघूत्तर	रमेश	मतैक्य	अत्यधिक	भवन	सदाचार

लिंग

लेखाक – लेखिका	मोर- मोरनी	आदमी- औरत
बालक-बालिका	मयूर- मयूरी	श्रीमान- श्रीमती
छात्र- छात्रा	ठाकुर- ठकुराईन	बूढ़ा- बूढ़ी
महोदय- महोदया	माता- पिता	बच्चा- बच्ची
नौकर- नौकरानी	शेर- शेरनी	युवक- युवती
मालिक- मालकिन	भाई- बहन	सेवक – सेविका
कवि- कवयित्रि	स्त्री –पुरुष	अनुया्यी- अनुयायिन
बेटा- बेटी	पंडित- पंडिताइन	सेठ- सेठानी

वचन

परदा – परदे	रुपया – रुपये	पुस्तक - पुस्तकें
चीज –चीजें	पैसा – पैसे	लेखनी –लेखनियाँ
रास्ता –रास्ते	बच्चा – बच्चे	चादर – चादरें
घर –घर	मछली – मछलियाँ	घोंसला - घोंसले
फ़ल –फ़ल	गुफ़ा – गुफ़ाएँ	कौआ – कौए
नदी –नदियाँ	नौका – नौकाएँ	पंजा – पंजे
कहानी – कहानियाँ	खिडकी – खिडकियाँ	दायरा - दायरे
किताब – किताबें	केला – केले	गली – गलियाँ

मुहावरे

मुहावरे	अर्थ	मुहावरे	अर्थ
अँगूठा दिखाना	वक्त आने पर इनकार करना	पौ फ़टना	प्रभात होना
पेट पर लात मारना	नौकरी या सहूलियत छीनना	काम आना	काम में आना
हवा से बातें करना	तेजी से चले जाना	राहत की साँस लेना	चैन की साँस लेना
अक्ल का अंधा	मूर्ख	फ़ूला नहीं समाना	बहुत खुश होना

समास

द्वंद्व समास	द्विगु समास	तत्पुरुष समास	कर्मधारय समास	बहुर्विहि समास	अव्ययीभाव समास
सीता –राम	सतसई	देशभक्ति	चंद्रमुख	नील्कंठ	आजन्म
पाप – पुण्य	त्रिधारा	राजसभा	करकमल	घनश्याम	भरपेट
सुख-दुख	पंचवटी	कार्यकुशल	कनकलता	चक्रपाणि	अनजाने
दाल – रोटी	चौराह	जन्मांध	पीतांबर	लंबोदर	बेखटके

कारक

कारक	कार्य	विभक्तियाँ	उदाहरण
कर्ता	कार्य करनेवाला	ने	राम ने मारा
कर्म	जिस पर क्रिया का प्रभाव पडे	को	रमेश ने कातिल को पकड़ा
करण	जिस साधन से क्रिया हो	से	राम ने रावण को बाण से मारा
संप्रदान	क्रिया करने के उद्देश	के लिए,के द्वारा,के वास्ते	सीता सुमा के लिए पेन लायी।
अपादान	जिस से अलग हो	से	पेड से पत्ता गिरा
संबंध	जिससे अन्य पदों से संबंध हो	का, के, की	रमेश की बहन सीता है।
अधिकरण	क्रिया का स्थान या समय का बोध हो	में, पर	पेड़ पर पंछी बैठे हैं।
संबोधन	संज्ञा् को पुकारना, भाव प्रकट होना	अरे,हे,ओ,हो,वाह	अरे ! यह क्या हो रहा है।

लेखन चिन्ह

अल्प विराम	(,)	योजक चिह्न	(-)
अर्ध विराम	(;)	उद्दरण चिह्न	(“ ”) (‘ ’)
पूर्ण विराम	(।)	कोष्ठ्क चिह्न	( )
प्रश्न चिह्न	(?)	विवरण चिह्न	(:-)
भावसूचक चिह्न	(!)		

अनुरूपता

01] नागपुर : संतरा :: कश्मीर :-------------	उत्तर : सेब
02] केला : पीला रंग :: सेब :------------ -----	उत्तर : गुलाबी रंग
03] कपडा : नापना :: टोमाटो :--------------	उत्तर : तौलना
04] गाँधीजी : राष्ट्रपिता :: अब्दुल कलाम :--------	उत्तर : राष्ट्रपति
05] जलालुद्दीन : जीजा :: शम्सुद्दीन :--------------	उत्तर : चचेरे भाई
06] तुलसीदास : रामभक्त कवि :: सूरदास :----------------	उत्तर : कृष्णभक्त कवि
07] दया : धर्म का मूल :: पाप :-------------------	उत्तर : अभिमान
08] बलभद्र : बलराम :: कान्हा :-----------------	उत्तर : कृष्ण
09] रीझना : मोहित होना :: खिजाना :--------------	उत्तर : चिढ़ाना
10] हाथी : जंगली जानवर :: भैंस :-------------------	उत्तर : पालतु जानवर
11] कर्नाटक : चंदन का आगार :: बेंगलूर :----------------	उत्तर : सिलिकान सिटि
12] बेलूर : शिल्पकला :: गोलगुंबज :--------------	उत्तर : वास्तुकला
13] मछली: तैरना :: साँप :-------------------	उत्तर : रेंगना
14] कश्मीरी सेब : कहानी :: ईमान्दारों के सम्मेलन में : -------------	उत्तर : व्यंग्य रचना

एक वाक्य के प्रश्न एवं उत्तर

1) सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने क्या निश्चय किया ?

उत्तर:– सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने मकान बनाने का निश्चय किया।

2) इंटर्नेट का मतलब क्या है ?

उत्तर:-इंटर्नेट अनेक कंप्यूटरों को अंतर्जाल द्वारा संबंध स्थापित करने का एक जाल है।

3) आज की दुनियाँ कैसी है?

उत्तर :- आजकी दुनिया विचित्र और नवीन है।

4) सिंगफो आदिवासि कहाँ रहते थे ?

उत्तर :- सिंगफो आदिवासि पूर्वोत्तर भारत में रहते थे।

5) बहाने बनानेका प्रमुख कारण क्या है ?

उत्तर:- बहाने बनाने का प्रमुख कारण है आलस्य।

6) अब्दुल कलाम जी बचपन में किस घर में रहते थे ?

उत्तर:-अब्दुल कलाम जी बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

7) परमाणु किसे देखकर काँपते है?

उत्तर;- परमाणु मानव के करों को देखकर काँपते है ।

8) पं. राजकिशोर कौन थे ?

उत्तर:- पं. राजकिशोर मजदूरों के नेता थे।

9) पं.राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण कौनसा है ?

उत्तर:- पं.राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण है ईमानदारी ।

10) भारत के खेत कैसे हैं?

उत्तर:- भारत के खेत हरे-भरे हैं।

11) सम्मेलन मे लेखक के भाग लेने से किन–किन को प्रेरणा मिल सकती थी ?

उत्तर:-सम्मेलन मे लेखक के भाग लेने से ईमानदारों तथा उदयीमान ईमानदारों को प्रेरणा मिल सकती थी।

12) आज मनुज का यान कहाँ जा रहा है?

उत्तर:- आज मनुज का यान गगन में जा रहा है।

13) समय के खोने से क्या होता है ?

उत्तर:- समय के खोने से जीवन नष्ट होजाता है ।

14) भारत भूमि के अंदर क्या–क्या भरा हुआ है ?

उत्तर:- भारत भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है ।

15) सुख–संपत्ति, धन–धाम को माँ कैसे बाँट रही है?

उत्तर:- सुख–संपत्ति, धन–धाम को माँ मुक्त हस्थ से बाँट रही है ।

16) ब्रीफकेस में क्या थे?

उत्तर:- ब्रीफकेस में कागजात थे ।

17) लेखक ने धूप का चशमा कहाँ रखा था ?

उत्तर :- लेखक ने धूप का चशमा टेबल पर रखा था ।

18) आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय प्राप्त की है ?

उत्तर : आधुनिक पुरुष ने प्रकृति पर विजय प्राप्त की है ।

19) तुलसी के अनुसार विपत्ति के साथी कौन है ?

उत्तर : तुलसी के अनुसार विपत्ति के साथी विद्या,विनय,विवेक है ।

20) समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है ?

उत्तर : समय ईश का (भग्वान) दिया हुआ अनुपम धन है ।

<u>दो-तीन वाक्यों के प्रश्नोत्तर</u>

1) **कश्मीरी सेब पाठ से हमें क्या सीख मिलती है ?**

कश्मीरी सेब पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि हमें खरीदारी करते समय सावधानी बरतनी चाहिए । अगर हम बाजार में आँख बंद करके किसी पर विश्वास करते हैं तो धोखा खाने की संभावना होती है ।

2) ई–गवर्नेंस क्या है ?

ई-गर्नेस सरकार के सभी काम –काज का विवरण देता है । सर्कारि अभिलेख और आदेशों को यथावत लोगों को सूचित करता है ।इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है ।

3) क्रुष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता था ?

क्रुष्ण बलराम के साथ खेलने नही जाना चाहता है क्यों कि बलराम कृष्ण को चिढाता है कि तुम यशोधा के पुत्र नहीं हो । उन्होने तुम्हे मोल लिया है इतनाही नहीं तुम्हारा रंग काला है,उनका रंग गोरा है।

4) महात्मा गाँधीजी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कथन है ?

सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदर किया जाता है,उतने फल लगते हैं। उसका अंत नहीं होता सत्य बोलने की आदत बचपन से ही डालनी चाहिए।

5) समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?

समय बहुत अनमोल है । समय को जो अपना साथी बान लेता है, वह अपने काम में सफल होता है । समय मिलने पर काम करलेना चाहिह,वरना पछताना पडेगा । उपयुक्त समय अपना निपटानेवाला वास्तव में बुद्धिमान होता है और वह अपना जीवन सार्थक बना लेता है ।

6) कलेक्टर साहब ने बच्चों की बडाई में क्या कहा ?

इस गाँव को साफ–सुथरा देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई । गाँव को एक नया जीवन प्रदान किया गया है । इन सब बच्चों की जितनी बडाई कीजाए उतनी ही थोडी है । इन सब बच्चों ने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण दिया है । बाल–शक्ति केकारण आपका गाँव एक आदर्श गाँ बन गया है । सरकारि की तरफ से बाल–शक्ति टोलि को ५००० रुपए दिए गए हैं । टोलि का मुखिया आकर इसे स्वीकार करे ।

7) गाँव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता है ?

गाँव की गंदगी को दूर करके तथा गाँव के गड्ढों को मिट्टी से ढाँप कर ,गाँव के चारों तरफ पेड–पौधे लगाकर परिसर को स्वच्छ बनाकर, चौराहे पर कूडादान रखकर कचरे को रास्ते पर न फेंकते हुए गाँव को आदर्श गाँव बनाया जा सकता है ।

8) व्यापार और बैंकिंग में इंटर्नेट से क्या मदद मिली है ?

इंटर्नेट के द्वारा घर बैठे-हैठे खरीददारी कर सक्ते हैं । कोई भी बिल भर सक्ते हैं ,जितनी भी रकम हो ईटर्नेट बैंकिंग के द्वारा भेजी जा सकती है ।

9) दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है ?

दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय है की , जो एक दूसरे का अंतर तोडदेता है,वही विद्वान,वही ज्ञानी और मानव भी है ।

10) जैनुलाबिदीन नमाज के बारे में क्या कहते थे ?

जैनुलाबिदीन नमाज के बारे में कहते थे कि, जब तुम नमाज पढते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो , जिस में दौलत , आयु, जाति या धर्म-पंथ का कोई भेद-भाव नहीं होता ।

11) यशोधा कृष्ण के क्रोध को कैसे शातं करती है ?

यशोधा कृष्ण के क्रोध को शांत करते हुए कहती है कि'हे कृष्ण ! सुनो । बलराम जन्म से ही चुगलखोर है । मैं गोधनकी कसम खाकर कहती हूँ ,नैं ही तेरी माता हुँ और तू ही मेरा पुत्र है । बात कहते हुए शांत करती है ।

12) 'समय का सदुपयोग' से क्या तात्पर्य है ?

ससमय के सदुपयोग का तात्पर्य है की, सही समय पर सही काम करना । उपयुक्त समय पर अपना काम निपटाना । समय कभी रुकता नहीं, इसलिए सबको उसके साथ-साथ चलकर उसका सदुपयोग
करलेना चाहिए ।

13) शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

शनि का निर्माण बृहस्पती की तरह शनि का वायु मंडल भी हाइड्रोजन ,हीलिएम,मीथेन तथा एमोनिया ग्यासों से हुआ है ।

14) धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरूरत क्यों थी ?

धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरूरत इस लिए थी कि, घरेलू काम-काज के लिए ,बच्चों को होमवर्क कराने, नाषटा तौयार करने तथा वर्डप्रोसेसर पर काम संभालने के लिए ।

15) अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता से बीतने के कारण लिखिए ?

अब्दुल कलाम जी के पिताजी आडंबरहीन व्यक्ति थे भौतिक एवं भावनात्मक दृष्टि से और अनावष्यक एवं ऐशो - आराम की चीजों से दूर रहते थे लेकिन घर में सभी आवष्यक चीजें समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्द थीं । इसलिए यह कह सकते हैं कि उनका बचपन बहुत ही सादगी से बीता ।

16) शनि ग्रह को ठंडा ग्रह क्यों कहते हैं ?

शनि ग्रह सूर्य से प्रुथ्वी की अपेक्शा १० गुना अधिक दूर है । इसलिए शनि ग्रह तक सूर्य का ताप कम पहुँचता है । शनि ग्रह का तापमान शून्य से १५० डिग्री सेंटीग्रेड के आस-पास होने के कारण शनि को ठंडा ग्रह कहते हैं ।

17) नागरिक के कर्तव्य कौन-कौन से है ?

नागरिक के कर्तव्य इस प्रकार है – राष्ट्रध्वज,राष्ट्रगान,राष्ट्रीय त्योंहार आदि का आदर करना ।

18) मछली ने दोस्तों के प्रश्न का क्या जवाब दिया ?

मछली ने जवाब दिया कि " आप लोग जरा मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो । फ़िर पेड़ों से बहुत-सी पत्तियाँ तोड़ लो । इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो, जैसे मेरी पीठ पर पट्टियाँ है । "

***तीन -चार अंकोंवाले प्रश्नोत्तर**

01] बसंत ईमानदार लडका है । कैसे ?

उ :- बसंत ईमानदार लडका है । वह गरीब जरूर है ,लेकिन भीख माँगना नहीं चाहता । अपने से बने कार्य करते हुए छोटी-छोटी चीजें बेचकर दो पैसे कमाना चाहता है । एक बार जारकिशोर से भीख में दिए पैसों को लेने से इनकार्करता है । घायल होने पर भी अपने छोटे भाई प्रताप को साढे चौदह आने लौटाने के लिए राजकिशोर के यहाँ भेजकर अपनि ईमानदारी को निभाता है ।

02] कर्नाटक की शिल्प कला का परिचय दीजिए ।

उ :- कर्नाटक राज्य की शिल्प कला अनोखी है । बादामी ,ऐहोले , पट'टद कल्लू, आदी की शिल्प कला और वास्तु कला अद्भुत है । बेलूरु, हलेबीडु, सोमनाथपुर में पत्थर की मूर्तियाँ सजीव लगती हैं । श्रवणबेलगोल में गेमटेश्वर की सत्तावन फ़ूट की ऊँची एक शिला मूर्ती है । बिजापुर के गोल गुंबज की व्हिस्फ़रिंग गैलरी वास्तु कला का अद्वितीय उदाहरण है । हंपी , मैसुरु, बेंगलूरु, आदि नगरों की शिल्प कला अद्वितीय है ।

03] पं. राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दिजिए ।

उ :- पं.राजकिशोर मजदूरों के नेता हैं । और मजदुरों कोव्याख्यान देते हैं । एक बार बसंत की विनती से छलनी खरीद्कर एक रुपए का नोट दिया था । नोट को भुना लाने के लिए बसंत दुकान की ओर बढा पर गुर्भाग्यवश लौटते समय मोटार के नीचे आ गया । बसम्त के भाई प्रताप से राजकिओशोर बसंत की हालत सुनते ही डाकटर को बुलवाकर उसका इलाज करवाया ।

04] भारत माता के प्रकृति सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

उ ;- भारत माता के खेत हरे-भरे और सुहाने हैं ,यहाँ के वन-उपवन फल-फूलों से लदे हुए हैं । इसके अंदर खनिजों का व्यापक धन भारा हुआ है । माता अपने मुक्त हस्थों से सुख संपत्ती को धन-धाम सभी को बाँट रही है ।

05] तुलसी साथी विपत्ती के, विद्या विनय विवेक ।
साहस सुकृत सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ॥ इस दोहे का भावार्थ लिखिए ।

उ :- प्रस्तुत दोहे में तुलसिदास जी कह रहे हैं की , मनुश्य पर जब विपत्ती पडती है तब विद्या ,विनय तथा विवेक ही उसका साथ निभाते हैं । जो राम पर भरोसा करता है वह सहसी , सत्यवान, तथा सुकृतवान बनता है ।

06] भारत माता का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

भारत माता अमरों की जननी है । उसके उर में गांधी, बुद्ध और राम जैसे महान विभूति शायित हैं । भारत माता के एक हाथ में न्याय पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान दीप है । इस तरह भारत माता का स्वरूप सुशोभित है ।

07] बिछेंद्री ने पहाड पर चढने की त्यारी किस प्रकार की ?

पर्वतारोहण के दिन सुबह चार बजे उठ गयीं, बर्फ पिघलाई और चाय बनाकर, कुछ बिस्कुट और आधा चाकलेट का हल्का नाष्टा किया और लग-भग साढे पाँच बजे अप्ने तंबू से निकल पडीं । वह अपनी आरोहण क्षमता और कर्मठता के बारे में भी आश्वस्थ थी ।

08] दक्षिणी शिखर पर चढते समय बिछेंद्री के अनुभव के बारे में लिखिए ।

पहाड पर चढने के बाद बिछेंद्रीपाल ने पहाद से पहले बर्फ की खुदाई कर अपने आप को सुरक्षित रूप से स्थिर किया । इसके बाद वह अपने घुटनों के बल बैठी । बर्फ पर अपने माथे को लगाकर सागर माथे के ताज का चुंबन किया । बिना उठी ही उन्होंने अपने थैले से हनुमान चालीसा और दुर्गा माता का चित्र निकाला , फिर उन्हें अपने साथ लाए लाल कपडे में लपेटा और छोटी सी पूजा करके उन्हें बर्फ में दबा दिया । उठकर वह अपने रज्जू नेता ,अंग दोरजी के प्रति आदर भाव से झुकी । उन्होंने बिछेंद्री को गले लगाया ।

09] दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान ।
तुलसी दया न छांडिए, जब लग घट में प्राण ॥

प्रस्तुत दोहे में तुलसिदास जी कह रहे हैं की ,दया धर्म का मूल है और अभिमान पाप का । इसलिए जब तक शरीर में प्राण हैं, तब तक मानव को अपना अभिमान छोडकर दयालू बने रहना चाहिए ।

10] राम नाम मनि दीप धरु जीह देहरी द्वार ।
तुलसी भीतर बाहिरौ जो चाहसी उजियार ॥

प्रस्तुत दोहे में तुलसिदास जी कह रहे हैं की ,जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर और बाहर आंगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम-नाम जपने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धी होती है ।

11] गिल्लू के कार्य-कलाप के बारे में लिखिए ।

गिल्लू अपने घर में झूलता रहता । लेखिका का ध्यान आकर्शित करने के लिए पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फ़िर उसी तेजी से उतरता । उसका यह दौड़ने का क्रम चलता रहता था । लेखिका को चौंकाने के लिए कभी फ़ूलदान के फ़ूलों मे तो कभी परदे की चुन्नट में,और सोनजुही की पत्तियों मे छिप जाता था । लेखिका के थाली के पास बैठकर एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफ़ाई से खाता था । लेखिका अस्पताल से लौटने पर गिल्लू लेखिका के सिरहाने बैठकर अपने नन्हें-नन्हें पंजों से लेखिका के सिर पर हौले-हौले सहलाता रहता थ । इस तरह गिल्लू अपने कार्य कलाप के द्वारा सबको चकित करता था ।

12] लेखिका ने गिलहरी को क्या-क्या सिखाया?

लेखिका ने गिल्लू को थाली से निकालकर थाली के पास बैठाकर सफाई से खाना खाना सिखाया । समय पर बाहर जाना समय पर झूले पर वापस आना, साथ ही जब लेखिका लिखते समय लिफाफे में रखदे तो घंटों उसी में रहना आदि सिखाया ।

13] गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए ।

महादेवी वर्मा जी बालविधवा थीं तो उनके पालतु प्राणी-पक्षी ही उन्हें संतान समान थे। उनमें गिल्लू अति प्रिय था । लेखिका जब खाना खाती तो उसे साथ में बिठाकर खाती थी । जब वह लिखने बैठती तो वह यातो लिफाफे में बंद लेखिका के पास ही रहता या सुराही पर लेटा रहता । यह सब दर्शाता है, कि वर्मा जी को गिल्लू के प्रति गहरी ममता थी ।

14] "विडियो कान्फरेन्स" के बारे में लिखिए ।

विडियो कान्फरेन्स द्वारा हम एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शनों के परदों पर एक दूसरे को देखकर चर्चा कर सकते हैं । एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों के रहनेवालों से विचार विनिमय कर सकते हैं ।

15] "सोशल नेटवर्किंग" एक क्रांतिकारी खोज है । कैसे ?

सोशियल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है जिसने विश्वभर के लोगों को एक जगह लाकर खडा कर दिया है ।इसके कई वेबसाईट्स है । फेसबुक, ट्विटर आदि जिनके द्वारा देश-विदेश के लोगों की वेश-भूषा, रहन-सहन, खान-पान के साथ-साथ संस्कृत तथा कला का अति शीघ्र रूप में प्रचार हो रहा है ।

16] समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?

कवि का कहना है कि, हमें आलस छोडना है और आज का काम आज ही करना है, उसको कल पर नहीं छोडना चाहिए । क्योंकि एक बार जो समय को खो देता है वह उसे चक्रवर्ती होकर भी दूबारा नहीं पा सकता है ।

17] कविता के अंतिम चार पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते हैं ?

कविता के अंतिम चार पंक्तियों में कवि सियारामशरण गुप्त जी कह रहे हैं कि, यदि जीवन में सफल होना चाहते हो तो जो काम कर रहे हो उसी में अपने मन को लगाओं और संदेह छोडकर अपनी आत्मा पर विश्वास रखो । क्योंकि जो अच्छे अवसर खो देता है वह हमेशा पछताता है ।

18] समय की पहचान कविता का आशय स्पष्ट कीजिए ।

कवि सियारामशरण गुप्त जी समय का महत्व बताते हुए कह रहे हैं कि परिश्रमी के लिए हर घड़ी शुभघड़ी है।आलसी ही बहाने बनाते है । समय एक ऐसा धन है जो सभी के पास समान है जिस को चाहकर भी न रोक सकता है, न पूँजी के रूप में रख सकता है । समय ईश्वर का दिया हुआ अति अनुपम धन है जिसे हमें व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए। एक- एक पल को भी मूल्यवान मानकर समय का सदुपयोग करना चाहिए।

19] रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल क्यों मच गई ?

रोबोनिल ने जब विज्ञान कथा लिखि तो उसकी खोपडी में एक विचार आया और अगले दिन वह रोबोदीप के साथ संघ के कार्यालय जा पहुँचा । सारी बात सुनकर संघ के अध्यक्ष ने संघ की कार्यकारिणी की आपतकालीन बैठक बुलाई और रोबोटिक कंपनियों में काम करनेवाले रोबोटों की हडताल बुलाई । इस से रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हल-चल मच गई ।

20] "महिला की साहस गाथा" पाठ से हमें क्या सीख मिलती है ?

महिला की साहस गाथा पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि, लक्ष्य चाहे जितना भी बड़ा हो उसे अपने मज़बूत मनोबल से प्राप्त किया ज़ा सकता है । साथ ही हमें स्त्री पुरूष जैसे भेदभाव ना करने की सीख भी मिलती है । और साथ में यह भी सीख मिलती है कि साधना के लिए अमीरी या गरीबी कोई सायने नहीम रखती बस साहस चाहिए ।

21] कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

कर्नाटक की प्रकृतिक सुषमा नयन मनोहर है । पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है । दक्षिण से पश्चिम की ओर फैली हुई पर्वतमालाएँ हैं जो पश्चिम घाट कहलाती है । जिनमें सह्याद्री पर्वतमालाएँ भी हैं दक्षिण में नीलगिरी पर्वत मालाएँ तथा, जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र जैसे जलप्रपात इसकी प्रकृतिक सुंदरता को बढाते है ।

22] कन्नड भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है ?

कर्नाटक के साहित्यकारों ने कन्नड साहित्य को अत्यंत समृद्ध बनाया है । वचनकार बसवन्ना क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभू, सर्वज्ञा जैसे संतो ने अपने वचनों द्वारा प्रेम दया तथा धर्म का संदेश दिया । पुरंदरदास, कनकदास, हरिहर, राघवांक आदि प्राचीन कवियों ने महान काव्यों की रचना द्वारा कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है । साथ ही आधुनिक साहित्यकारों जैसे – कुवेंपु, बेंद्रे, कारंत, गोकाक, अनंतमुर्ती, कर्नाड तथा कंबार जी ने भी अपने साहित्य साधना से कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है ।

चार अंक के प्रश्न और उत्तर[कविता\पद्य]

असफालता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो ,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ,
जब तक न सफल हों ,नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागो तुम,
कुछ किए बिना ही ,जय–जयकार नहीं होती
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती ।

गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

आधुनिक युग विज्ञा्न युग के नाम से जाना जाता है । आज विज्ञा्न की विजय-पताका धरती से लेकर आकाश तक फ़हरा रही है । सर्वत्र विज्ञा्न की महिमा का प्रचार-प्रसार है । मनुष्य ने विज्ञा्न के द्वारा प्रकृति को जीत लिया है ।आज मनुष्य ने विज्ञा्न के द्वारा विद्युत, गैस,इंधन को खोजकर विजय पताका फ़हराकर सारे संसार में क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिया है ।

क]   आधुनिक युग किस नाम से जाना जाता है?
ख] मनुष्य ने विज्ञा्न के द्वारा किसको जीत लिया है ।?
ग] आज मनुष्य ने किसको खोजकर विजय पताका फ़हराया है ?
घ] आज विज्ञा्न की विजय-पताका कहाँ से कहाँ तक फ़हरा रही है   ?

मातृभाषा या अंग्रेजी भाषा में अनुवाद कीजिए -

- बचपन में मेरे तीन अच्छे दोस्त थे । रामानंद शास्त्री, अरवींद और शिवप्रकाश । वे तीनों ब्रह्मण परिवारों से थे । रामानंद शास्त्री तो रामेश्वरम मंदिर के सबसे बड़े पुजारी पक्षी लक्ष्मण शास्त्री का बेटा था।
- ಬಾಲ್ಯದಲ್ಲಿ ನನ್ನಗೆ ಮೂರು ಒಳ್ಳೆಯ ಗೆಳೆಯರು ಇದ್ದರು. ರಾಮಾನಂದ ಶಾಸ್ತ್ರೀ, ಅರವಿಂದ ಮತ್ತು ಶಿವಪ್ರಕಾಶ. ಈ ಮೂವರು ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಪರಿವಾರದವರು ಆಗಿದ್ದರು. ರಾಮಾನಂದ ಶಾಸ್ತ್ರೀಯು ರಾಮೇಷ್ವರಂ ದೇವಸ್ಥಾನದ ಹಿರಿಯ ಪೂಜಾರಿಯಾದ ಪಕ್ಷಿಲಕ್ಷ್ಮಣ ಶಾಸ್ತ್ರೀಯ ಮಗನಾಗಿದ್ದನು.
-
- वचनकार बसवण्ण एक क्रांतिकारी समाज सुधार थे । अक्कमहादेवी, अल्लम प्रभू, सर्वज्ञ जैसे वचनकारों ने अपने वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है ।
- ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣನವರು ಒಬ್ಬ ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು. ಅಕ್ಕಮಹಾದೇವಿ, ಅಲ್ಲಮಪ್ರಭು ಸರ್ವಜ್ಞರಂತಹ ವಚನಕಾರರು ತಮ್ಮ ವಚನಗಳಿಂದ ಪ್ರೇಮ, ದಯೆ ಮತ್ತು ಧರ್ಮದ ಶಿಕ್ಷಣವನ್ನು ನೀಡಿದರು.

निबंध

01-   इंटरनेट

अर्थ : इंटरनेट का अर्थ है अनगिनत कंप्यूटरों का एक दूसरे कंप्यूटरों के साथ संपर्क जोड़नेवाला जाल।

लाभ : इंटरनेट के द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं । कोई भी बिल भर सकते हैं । इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया के किसी भी कोने में जितनी भी चाहे रकम भेजी जा सकती है। सचित्र संभाषण किया जा सकता है । सोशियल नेटवर्किंग द्वारा दुनिया के किसी भी देश के रहन-सहन, वेश-भूषा की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मुक्त संभाषण भी संभव है।

हानियाँ : इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग आदि बढ़ रही है । मुक्त वेबसाइट से चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी इंटरनेट के कबंध बाहों के पाश में फंसी हुई हैं । इंटरनेट की वजह से अनुपयुक्त जानकारी हासिल कर रहे हैं।

उपसंहार : इंटरनेट एक ओर वरदान है तो, दूसरी ओर अभिशाप भी है। इसलिए छोटे बच्चों से लेकर बड़े - बूढ़ों तक सचेत रहना चाहिए।

3. नागरिक के कर्तव्य

- **विषय प्रवेश :** भारत एक लोकतांत्रिक देश है , जहां नागरिक पूरी स्वतंत्रता के साथ रहते हैं । हर नागरिक को अपने देश पर अधिकार के साथ साथ देश के प्रति उसके उत्तरदायित्व भी होते हैं ।
- **नागरिक का अर्थ और अच्छे नागरिक के लक्षण :**
  - देश के किसी भी स्थान शहर या गाँव में रहनेवाले व्यक्तियों को नागरिक कहते हैं ।
  - देश के अच्छे नागरिक होने के नाते अपने गाँव ,शहर , समाज , राज्य और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व रखना चाहिए ।
  - देश के नियमों तथा कानूनों का पालन करना चाहिए ।
  - देश को समृद्ध एवं खुशहाल बनाए रखने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहिए ।
  - अच्छे नागरिक का व्यवहार देश और देशवासियों के हित में हो और देश के विकास के प्रति चिंतित रहकर अपना योगदान देना चाहिए ।
- **नागरिक के कर्तव्य :**
  - संविधान के नियमों का पालन करना ।
  - देश के प्रति गौरव भाव अपने देश के राष्ट्रध्वज , राष्ट्रगान , राष्ट्रीय त्योहार , आदि का आदर करना ।
  - देश की एकता और अखंडता कायम रखना ।
  - देश की धरोहर की रक्षा करना और सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखना ।
  - जाति , धर्म , भाषा , प्रदेश , वर्ग पर आधारित भेद भावों से दूर रहना ।
  - वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सुधार की भावना का विकास करना ।
  - देश की संस्कृति और गौरवशाली परंपरा का सम्मान करना ।
- **उपसंहार :** समाज उन लोगों को सम्मान देता है ,
  - जो अपने कर्तव्यों को सही तरीके से निर्वहन करते हैं ।
  - देश के नागरिक होने के नाते हमें इन कर्तव्यों का पालन करना चाहिए ।

इससे देश का कल्याण होगा , अपने कर्तव्यों और नियमों का उल्लंघन करनेवाला नागरिक दंड का भागेदार होगा ।

-: छुटटी पत्र :-

प्रेषक,
महबूब एम
नौं वीं कक्षा
सरकारि उच्च माध्यमिक शाला
बल्लारि - 583101

सेवा में,
प्राचार्य
सरकारि उच्च माध्यमिक शाला
बल्लारि - 583101

विषय:–छुटटी के लिए प्रार्थना पत्र,

उक्त विषय के संबन्ध में**/ मेरी बहन/ मॆरे भाई की शादी /मॆरी अस्वस्थता/ अपने गाँव में होनेवाले त्योहार में** भाग लेने के कारण,मै स्कूल को आने के लिए असमर्थ हुँ । अत: आज दिनांक :______से______तक दिन की छुटटी देने की कृपा करें ।

‘धन्यवाद’

अभिभावक के हस्ताक्षर

आपका आज्ञाकारी छात्र/छात्रा
(अ.ब.क)